सीजनल क्राइम पैटर्न से पुलिस अलर्ट पर : चार कुख्यात गिरोहों की वापसी

- ईरानी से ठक-ठक तक चार गिरोह ने शहर में बढ़ाई पुलिस की चुनौती
- हर साल आते हैं ये गिरोह, वारदातें कर गायब हो जाते हैं

नव भारत न्यूज

इंदौर. शहर में हर साल सक्रिय होने वाली चार कुख्यात गैंग एक बार फिर शहर में अपनी मौजूदगी दिखा रही हैं. अलग-अलग तरीकों से वारदातें कर ये गिरोह गायब हो जाते हैं, जिससे पुलिस के लिए चुनौती बढ़ गई है. शहर में पिछले कुछ वर्षों से चार बाहरी गैंगों की मूवमेंट एक पैटर्न की तरह सामने आ रही है. ये गिरोह तय समय पर शहर में पहुंचते हैं, वारदातों की श्रृंखला को अंजाम देते हैं और फिर चुपचाप गायब हो जाते हैं. इस बार भी वही चक्र दोहराया जा रहा है, जिसके चलते पुलिस ने सतर्कता बढ़ा दी है.

शहर में सबसे सक्रिय गिरोह भोपाल का ईरानी गैंग है. नकली पुलिस बनकर लोगों को डराने और जेवर उतरवाने की उसकी शैली इस साल भी जारी है. हाल ही में मानपुर में हुई वारदात में भी इसी गैंग का हाथ सामने आया है. शहर के पांच थानों में यह गिरोह छह से अधिक बुजुर्गों से जेवर उतरवाकर फरार हो चुका है. दो सदस्यों की पहचान होने के बावजूद वे अभी तक गिरफ्त से दूर हैं. दूसरी गैंग तमिलनाडु की है, जो हर साल होस्टलों में छात्रों के लैपटॉप और मोबाइल उड़ाने आती है. भंवरकुआं पुलिस ने दो दिन पहले इस गैंग के तीन सदस्यों को गिरफ्तार कर 25 लाख रुपए से अधिक के इलेक्ट्रॉनिक्स आयटम बरामद किए हैं.

लोगों से सतर्क रहने और संदिग्ध गतिविधि की तुरंत सूचना देने की अपील

पुलिस जांच में सामने आया कि यह गैंग रेलवे से शहर पहुंचकर महू में किराए के मकान में ठहरती थी और दो दर्जन से ज्यादा चोरी की वारदातें कर चुकी हैं. तीसरी गैंग राजगढ़-ब्यावरा की सांसी गैंग है, जो विवाह समारोहों में बैग और जेवर उड़ाने के लिए कुख्यात है. शादी का सीजन शुरू होते ही यह गिरोह भी बच्चों की मदद से वारदातों को अंजाम देने में सक्रिय हो जाता है. चौथी गैंग दक्षिण भारत की ठक-ठक गैंग है, जिसके सदस्य मैला फेंककर, कार में टक्कर का बहाना बनाकर या कांच ठकठकाकर चालक का ध्यान भटकाते हैं और दूसरी ओर से बैग उड़ा देते हैं. आधा दर्जन मामलों में पुलिस इस गिरोह की तलाश कर रही है. इन चारों गैंगों की सीजनल सक्रियता ने शहर की सुरक्षा एजेंसियों को एक बार फिर सतर्क कर दिया है. पुलिस ने लोगों से सतर्क रहने और किसी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत सूचना देने की अपील की है.

पूर्व मुख्यमंत्री के भतीजे की सड़क हादसे में मौत

नव भारत न्यूज

इंदौर. कनाड़िया क्षेत्र में सोमवार शाम पैदल जा रहे एक वरिष्ठ बैंक अधिकारी को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी. गंभीर रूप से घायल अधिकारी की उपचार के दौरान अस्पताल में मौत हो गई. पुलिस ने मर्ग कायम कर वाहन चालक की तलाश शुरू कर दी है.

कनाड़िया थाना क्षेत्र में स्टेट बैंक के रिटायर्ड वरिष्ठ अधिकारी 68 वर्षीय नवीनचंद गंगवाल की सोमवार शाम हुए सड़क हादसे में मौत हो गई. हादसा बिचौली हप्सी इलाके में हुआ, जहां वह घर से दूध लेने के लिए पैदल निकले थे. रास्ते में किसी अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी. स्थानीय लोगों ने गंभीर हालत में

उन्हें एमवाय अस्पताल पहुंचाया, जहां उपचार के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया. देर शाम परिजनों को हादसे की जानकारी दी गई. पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है.

पुलिस ने बताया कि नवीनचंद एसबीआई में वरिष्ठ पद पर कार्यरत रहे और वहीं से सेवानिवृत्त हुए थे. उनके परिवार में दो बेटे हैं एक अमेरिका में और दूसरा बेंगलुरु में रहता है. नवीनचंद मूलत: देवास जिले से ताल्लुक रखते थे और पूर्व मुख्यमंत्री मिश्रीलाल गंगवाल के भतीजे थे.

चलती क्रेटा कार में लगी आग, चालक की सूझबूझ से टला बड़ा हादसा

नव भारत न्यूज

इंदौर. बंगाली चौराहा क्षेत्र में दोपहर एक चलती क्रेटा कार अचानक आग लग गई. चालक ने समय रहते कार रोककर बाहर छलांग लगा दी, जिससे जनहानि होने से बच गई. मौके पर कुछ ही पलों में अफरा-तफरी मच गई. जैसे-तैसे आसपास के लोगों ने आग पर काबू पाया.

कनाड़िया रोड से पलासिया की ओर आ रही क्रेटा कार नम्बर एमपी 09 डब्ल्यूजे 6914 में दोपहर अचानक आग लग गई. वाहन के आगे के हिस्से से धुआं उठता देख चालक तुरंत नीचे उतर गया. घटना के दौरान चौराहे पर मौजूद लोग घबरा गए और मौके पर भीड़ जमा होने लगी, कई लोग वीडियो बनाते भी नजर आए. संविद नगर निवासी सोनू दीवान, उनके साथियों और आसपास काम कर रहे लोगों और राहगीरों ने पास ही स्थित फिंगर फैक्ट्री ऑफिस से बोरिंग का पानी लाकर आग बुझाने की कोशिश की. लगातार प्रयासों से लोगों ने आग की लपटों को काफी हद तक काबू कर लिया. सूचना मिलने पर एसीपी खजराना कुंदन मंडलोई, खजराना और तिलक नगर थाने की टीमें मौके पर पहुंचीं. पुलिस ने चौराहे पर ट्रैफिक रोककर गाड़ी को किनारे लगवाया. इसी बीच फायर ब्रिगेड और नगर निगम जोन-19 का टैंकर भी पहुंच गया. एसीपी मंडलोई ने बताया कि फिलहाल किसी के घायल होने की जानकारी नहीं है, ट्रैफिक पुलिस ने जाम हटवाकर यातायात बहाल कराया. पुलिस हादसे की जांच कर रही है.

60 लाख की सोना ठगी का पुलिस ने किया खुलासा

- पुलिस ने ऋषिकेश-जोधपुर से चार आरोपी पकड़े

नव भारत न्यूज

इंदौर. सोने के आभूषणों का ऑर्डर देकर ठगी करने वाले गिरोह का भंवरकुआं पुलिस ने पर्दाफाश किया. पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार कर करीब 60 लाख रुपए कीमती 443 ग्राम सोना बरामद किया है.

भंवरकुआं थाना क्षेत्र में 60 लाख रुपए के सोने की ठगी को अंजाम देने वाले गिरोह को पुलिस ने तकनीकी जांच और सीसीटीवी की मदद से पकड़ा है. फरियादी आसित हाजरा, निवासी पल्हर नगर ने 17 नवंबर को रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि अज्ञात व्यक्ति ने फोन कर पांच रानी हार बनवाने का सौदा किया और रिश्तेदार के नाम पर नकली सोने जैसे दिखने वाले टुकड़े देकर

उससे असली सोना ठग लिया. मामले में भंवरकुआं थाना प्रभारी राजकुमार यादव ने केस दर्ज कर जांच शुरु की थी. पुलिस कमिश्नर के निर्देश पर डीसीपी जोन-4 आनंद कलादगी, एडीसीपी दीशेष अग्रवाल और एसीपी विजय चौधरी के मार्गदर्शन में एक विशेष टीम बनाई गई. जांच में सामने आया कि वारदात को संजय सोनी निवासी नागोरी गेट, जोधपुर ने अपने साथियों के साथ मिलकर अंजाम दिया. पुलिस को इंदौर में ही रहने वाले मामले के एक आरोपी संतोष सामई को गिरफ्तार करने में सफलता मिली. संतोष ने पूछताछ में संजय सोनी और अन्य साथियों के शामिल होने का बताया. इसके बाद पुलिस टीम ने तकनीकी लोकेशन के आधार पर संजय सोनी व गौरव सोनी को ऋषिकेश से पकड़ा, जबकि नीरज सोनी को जोधपुर से दबोचा.

आरोपियों का रिमांड लेकर की जा रही पूछताछ

पूछताछ में आरोपियों ने खुलासा किया कि वे कुछ आभूषण पिघला कर अपने लिए नई चेन बना चुके थे और बाकी को जोधपुर में छिपाकर ऋषिकेश भाग गए थे. इस पर पुलिस ने पल्हर नगर में रहने वाले 43 वर्षीय संतोष सामई के साथ जोधपुर में रहने वाले 33 वर्षीय संजय सोनी, यहीं के 26 वर्षीय गौरव सोनी के साथ जोधपुर के ही रहने वाले 55 वर्षीय नीरज सोनी को भी गिरफ्तार कर लिया. पुलिस ने इनके कब्जे से तीन रानी हार, 50 ग्राम फाइन गोल्ड, 33 ग्राम की एक चेन, 14 ग्राम की दो अंगुठियों के साथ 443 ग्राम सोना जब्त किया है. थाना प्रभारी राजकुमार यादव ने बताया कि गिरोह व्हाट्सऐप के माध्यम से आभूषणों का सौदा कर नकली सोने से ठगी करता था.

एक नजर में

जिलाबदर बदमाश साथी के साथ पिस्टल सहित गिरफ्तार

इंदौर. द्वारकापुरी पुलिस ने जिलाबदर आदेश का उल्लंघन कर शहर में घूम रहे कुख्यात बदमाश प्रिंस राठौर को साथी लक्कू कहार के साथ धरदबोचा. दोनों के पास से देसी पिस्टल और कारतूस भी बरामद हुए. आरोपियों पर आर्म्स एक्ट और जिलाबदर उल्लंघन के तहत प्रकरण दर्ज किया है, पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है. पुलिस उपायुक्त जोन-4 आनंद कलादगी के निर्देशन में चल रहे इस अभियान के तहत एडीसीपी दिशेष अग्रवाल और एसीपी शिवेन्दु जोशी ने सक्रिय अपराधियों पर निगरानी और कार्रवाई के निर्देश दिए थे. इस पर पुलिस ने जिलाबदर बदमाश प्रिंस राठौर को उसके साथी लक्कू कहार सहित गिरफ्तार किया है. दोनों के पास से दो देशी पिस्टल और जिंदा कारतूस बरामद किए. थाना प्रभारी मनीष मिश्रा ने बताया कि प्रिंस राठौर के खिलाफ शहर और देहात क्षेत्रों के विभिन्न थानों में हत्या के प्रयास, अवैध वसूली, धमकाने, मारपीट, अड़ीबाजी और अवैध हथियार रखने जैसे एक दर्जन से अधिक गंभीर मामले दर्ज हैं. उसकी बढ़ती आपराधिक गतिविधियों को देखते हुए पुलिस आयुक्त की ओर से उसे एक वर्ष के लिए इंदौर सहित आसपास जिलों उज्जैन, देवास, खरगोन और धार की सीमाओं से जिलाबदर किया था. पुलिस अब दोनों आरोपियों के नेटवर्क और हथियारों की सप्लाई चैन की जांच कर रही है.

लैपटाप और नकदी चुराकर ले जा रहे नाबालिग को पकड़ा

इंदौर. भंवरकुआं क्षेत्र में एक युवक ने अपने मकान की पार्किंग में संदिग्ध हालत में खड़े नाबालिग को पकड़ा, जिसके हाथ से लैपटॉप और नकदी बरामद हुई. सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को गिरफ्तार कर थाने ले जाया गया. भंवरकुआं थाना क्षेत्र में पार्किंग से लैपटॉप और नकदी चोरी करने आए एक नाबालिग को युवक ने रंगे हाथों पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया. घटना सर्वानंद नगर, भोलाराम उस्ताद मार्ग स्थित एक मकान की पार्किंग में हुई. 22 वर्षीय जयदीप कुशवाह ने पुलिस को बताया कि जब वह अपने रूम के नीचे स्थित पार्किंग में पहुंचा, तो एक किशोर हाथ में एसर कंपनी का लैपटॉप और कुछ नकदी लिए खड़ा था. शक होने पर उसने तुरंत उसे रोका और स्थिति बिगड़ने से पहले अपने दोस्त रोहित तोमर को भी बुला लिया. दोनों ने मिलकर किशोर को पकड़ लिया. पूछताछ में उसने एकता नगर पानी की टंकी के पास का निवासी होना बताया. उसके कब्जे से लैपटॉप और नगदी जब्त की गई. इसके बाद जयदीप और रोहित ने डायल 112 पर सूचना दी, जिस पर पहुंची टीम ने 17 वर्षीय आरोपी को थाने लाकर प्रकरण दर्ज किया. पुलिस मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई कर रही है.

तमिल और अंग्रेजी में गालियां देकर युवती से मारपीट

इंदौर. खजराना में एक युवती को अंग्रेजी और तमिल भाषा में गालियां देकर धमकाने और मारपीट करने का मामला सामने आया है. आरोपी महिला पर जबरन मिलने का दबाव बनाता था और विरोध करने पर उस पर हमला कर दिया. खजराना थाना प्रभारी मनोज सिंह सेंधव ने बताया कि एक युवती की शिकायत पर आरोपी कार्तिकेय ई. पिता ईकमबरम ई. निवासी थिरुलवलुर, तमिलनाडु के खिलाफ मामला दर्ज किया है. पीड़ित युवती ने पुलिस को अपनी शिकायत में बताया कि आरोपी कार्तिकेय उसे गोयल विहार गेट नंबर 2 के आगे मिला. मिलते ही आरोपी ने युवती को अंग्रेजी और तमिल भाषाओं में गालियां देनी शुरू कर दीं और उससे पूछा कि तू मुझे क्यों नहीं मिलती है? जब युवती ने आरोपी को गाली देने से मना किया, तो वह भड़क गया और उसने युवती के साथ घूंसे और थप्पड़ों से मारपीट की. मारपीट से युवती के चेहरे और गले पर चोटें आई हैं. मारपीट के बाद, आरोपी कार्तिकेय जाते-जाते युवती को जान से मारने की धमकी भी दे गया. उसने धमकी देते हुए कहा कि यदि तूने आइंदा मुझे मिलने से मना किया तो तुझे जान से खत्म कर दूंगा, फरियादी की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

ऑटो चालक पर नुकीले हथियार से हमला, जान से मारने की धमकी

इंदौर. खजराना थाना इलाके में रेडिसन चौराहे के पास टास्क अस के सामने पुराने विवाद को लेकर एक ऑटो रिक्शा चालक पर एक आरोपी ने हमला कर दिया. आरोपी ने ऑटो चालक को नुकीले हथियार से वार कर घायल कर दिया और भविष्य में सवारी बैठाने पर जान से मारने की धमकी दी. घायल के दोस्त अजीत सिंह शेखावत निवासी स्कीम 78 की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी अवधेश वर्मा उर्फ गोली निवासी ऑफिसर कॉलोनी, विजयनगर के खिलाफ विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया है.

उत्कृष्ट सेवा देने वाले 5 ट्रैफिक प्रहरी सम्मानित

इंदौर. बेहतर यातायात व्यवस्था में जनभागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से चल रहे ट्रैफिक प्रहरी अभियान में सराहनीय सहयोग देने वाले पांच प्रहरियों को पुलिस कमिश्नर ने सम्मानित किया. नए प्रहरियों को भी प्रोत्साहित करते हुए सामग्री वितरित की गई.

इंदौर पुलिस के ट्रैफिक प्रहरी अभियान के तहत सोमवार को पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह ने पांच सक्रिय प्रहरियों राजकुमार जैन, मुरली खंडेलवाल, विजय बारोले, कृष्ण बिहारी जाटव और सुनीता सिरसाट को शील्ड, प्रशस्ति पत्र और उपहार देकर सम्मानित किया. कार्यक्रम में 10 नए ट्रैफिक प्रहरियों को कैप, जैकेट, सीटी, लाइट बैटन और बैज प्रदान कर प्रोत्साहित किया. इस दौरान यातायात प्रभारी डीसीपी आनंद कलादगी सहित अधिकारी और जागरूक नागरिक मौजूद रहे. डीसीपी ने बताया कि अब तक 1803 नागरिक ट्रैफिक प्रहरी से जुड़कर विभिन्न चौराहों पर यातायात प्रबंधन में सहयोग दे रहे हैं.

15 पुलिसकर्मियों को प्रशस्ति पत्र व नकद पुरस्कार से नवाजा

- पुलिस कमिश्नर ने प्रदान किया उत्कृष्ट सेवा का सम्मान

इंदौर. पुलिसिंग के विभिन्न क्षेत्रों में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले 15 पुलिसकर्मियों को पुलिस कमिश्नर ने प्रशस्ति पत्र और नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया. यह सम्मान पुलिस कमिश्नरेट में शुरू किए गए साप्ताहिक प्रोत्साहन कार्यक्रम के तहत प्रति मंगलवार को दिया जाता है.

इंदौर पुलिस कमिश्नरेट में बेहतर पुलिसिंग को बढ़ावा देने के लिए शुरू किए गए साप्ताहिक प्रोत्साहन कार्यक्रम के अंतर्गत मंगलवार को पलासिया स्थित कार्यालय में 15 पुलिसकर्मियों को सम्मानित किया. पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह ने सभी अधिकारियों-कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र और नकद पुरस्कार प्रदान करते हुए उनके कार्यों की सराहना की. इस दौरान यातायात प्रभारी जोन-4 डीसीपी आनंद कलादगी व अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे. इस दौरान पुलिस कमिश्नर ने कहा कि यह साप्ताहिक पहल उत्कृष्ट कार्य करने वालों का मनोबल बढ़ाने और पुलिसिंग में प्रतिस्पर्धात्मक उत्कृष्टता विकसित करने के लिए जारी रहेगी. जिन पुलिसकर्मियों को सम्मानित किया गया, वह हैं - निरीक्षक सीमा भंडारी (यातायात) रात्रि गश्त के दौरान बंगाली चौराहा ब्रिज पर तीन घायलों को समय पर अस्पताल पहुंचाकर उनकी जान बचाने पर, आरक्षक देवेंद्र अंब (थाना राऊ अपहरण प्रकरण में नाबालिग को खोज कर लाने में अहम भूमिका के चलते, आरक्षक कैलाश विश्वकर्मा (थाना तेजाजीनगर) अपहरण प्रकरण मामले में सराहनीय योगदान, आरक्षक जंगजीत जाट, आरक्षक रामभजन गुर्जर, आरक्षक नीरज जाट (थाना कनाड़िया) चेन स्नैचर गैंग को पकड़ने पर, तीन लूटों का खुलासा, करीब पांच लाख का माल बरामद करने पर. वहीं प्रधान आरक्षक शेषपाल व आरक्षक विकास बछानिया (थाना बाणगंगा) को पॉक्सो एक्ट सहित गंभीर धाराओं में फरार आरोपी को गुरुग्राम से गिरफ्तार करने पर सम्मानित किया गया.

इन्हें भी किया गया पुरुस्कृत

इसी तरह प्रधान आरक्षक धर्मेंद्र पाठक, आरक्षक गौरव, आरक्षक भूपेंद्र, आरक्षक धर्मेंद्र सिंह (थाना छत्रीपुरा) सोना चोरी मामले में आरोपियों को गिरफ्तार करने पर, 126.060 ग्राम सोना व 18 लाख के उपकरण जब्त करने के मामले में. प्रधान आरक्षक चिरौंजीलाल धाकड़ (यातायात) मालगंज चौराहे पर बेहतर यातायात प्रबंधन के लिए सम्मान. प्रधान आरक्षक संतोष सिंह सेंगर व आरक्षक संजय बारोड़ (अपराध शाखा) दो ड्रग्स तस्करों को 82.26 ग्राम एमडी ड्रग्स सहित गिरफ्तार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने पर पुरस्कृत किए गए.

शादी का झांसा देकर महिला से करता रहा बलात्कार

इंदौर. राऊ क्षेत्र में एक युवक द्वारा शादी का झांसा देकर 33 वर्षीय महिला को किराए के कमरे में ले जाकर कई दिनों तक उसका शारीरिक शोषण किया. जब महिला ने शादी का दबाव डाला तो आरोपी ने जान से मारने की धमकी दी और मारपीट भी की.

राऊ थाने में पदस्थ उपनिरीक्षक मधुकर विश्वकर्मा को पीड़िता ने बयान में बताया कि 1 नवंबर को उसकी बेटी की तबीयत बिगड़ने पर उसके पति ने पड़ोस में रहने वाले 25 वर्षीय अमन पाटीदार, निवासी ग्राम अकोलिया, पीथमपुर, को कहा था कि बच्ची को डॉक्टर के पास ले जाए. इसी बहाने अमन उसके घर आने-जाने लगा और कुछ दिनों बाद उसने महिला से कहा कि वह उसे पसंद करता है और शादी करना चाहता है. पीड़िता के मना करने पर अमन ने बदनाम करने की धमकी देना शुरू कर दिया.

पीड़िता के अनुसार 1 नवंबर की सुबह करीब 11 बजे वह महिला को घर के बाहर मिला और मोटरसाइकिल पर बैठाकर उमियाधाम स्कूल के पास राऊ में लिए गए किराए के कमरे पर ले गया. वहां उसने कहा कि उनकी शादी की नोटरी हो चुकी है और वह अब उसकी पत्नी है. आरोपी ने धमकाकर महिला को पांच दिनों तक कमरे में रोककर उससे जबरन शारीरिक संबंध बनाए. जब पीड़िता ने अपने बच्चों को बुलाने की बात कही तो अमन भड़क गया और उसने मारपीट शुरू कर दी. साथ ही धमकी दी कि अगर उसने पति और बच्चों के पास जाने की कोशिश की तो वह उसे चैन से जीने नहीं देगा. घटना की शिकायत पर पुलिस ने अमन पाटीदार के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

पत्नी से विवाद के बाद टैंकर चालक ने की आत्महत्या

विवाद के बाद दरवाजे पर ताला लगाकर चली गई थी पत्नी

इंदौर. द्वारकापुरी क्षेत्र में घरेलू विवाद इतना बढ़ गया कि पत्नी के बाहर से ताला लगाकर जाने के कुछ ही देर बाद टैंकर चालक पति ने कमरे में फांसी लगाकर जान दे दी. वापस लौटने पर पत्नी ने अंदर का मंजर देखा तो उसके होश उड़ गए, पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज जांच शुरू कर दी है.

घटना गुरुशंकर नगर में हुई, थाना प्रभारी सहर्ष यादव ने बताया कि 40 वर्षीय मृतक पिता भाथीरथ पेशे से टैंकर चालक था. प्रारंभिक जांच में पुलिस को पता चला कि शाम के समय मोहन और उनकी पत्नी के बीच किसी घरेलू मुद्दे को लेकर तीखा विवाद हुआ था. झगड़ा बढ़ने पर पत्नी गुस्से में घर से बाहर निकल गई और मुख्य गेट को बाहर से ताला लगाकर चली गई. उस समय मोहन घर के अंदर ही मौजूद था. कुछ समय बाद जब पत्नी लौटी और ताला खोलकर अंदर पहुंची, तो उसने देखा कि मोहन कमरे में फंदे पर लटके हुए है. घटना की सूचना तत्काल पुलिस को दी गई. सूचना पर द्वारकापुरी थाने की टीम मौके पर पहुंची और शव को नीचे उतरवाकर पंचनामा बनाया. इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा. बहरहाल, पुलिस मामला दर्ज कर जांच कर रही है.

एक नजर में — हर साल लाखों युवा डिग्री लेकर निकल रहे, लेकिन रोजगार के अवसर उस अनुपात में नहीं बढ़ रहे

शिक्षित बेरोजगारों की संख्या चिंताजनक स्तर पर पहुंची

इंदौर. देश में युवा पीढ़ी तेजी से शिक्षित हो रही है. कॉलेजों और विश्वविद्यालयों से हर साल लाखों युवा डिग्री लेकर निकल रहे हैं. लेकिन, रोजगार के अवसर उस अनुपात में नहीं बढ़ पा रहे हैं. परिणामस्वरूप शिक्षित बेरोजगारी चिंताजनक स्तर पर पहुंच चुकी है.

रोजगार के घटते स्तर पर चिंता करते हुए देश की युवा पीढ़ी सरकार से रोजगार के आयाम की मांग कर रही है. विशेषज्ञों के अनुसार वर्तमान स्थिति यह संकेत देती है कि शिक्षा और रोजगार के बीच की खाई अब

और गहरी होती जा रही है. ताजा आंकड़ों के मुताबिक, देश में स्नातक और स्नातकोत्तर डिग्रीधारकों की संख्या पिछले पांच वर्षों में लगभग दोगुनी हुई है, परंतु उद्योगों, तकनीकी क्षेत्रों और सरकारी सेवाओं में नई भर्तियों की रफ्तार बेहद धीमी है. निजी क्षेत्र में ऑटोमेशन और डिजिटल बदलावों के कारण पारंपरिक नौकरियों की संख्या कम हो रही है, जबकि नई स्किल्स की मांग बढ़ी है. इसी असंतुलन ने युवाओं के सामने गंभीर संकट खड़ा कर दिया है. ऐसे समय में सरकार पर कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां आ जाती हैं. इस पर ध्यान केंद्रित करते हुए सरकार द्वारा स्किल डेवलपमेंट, डिजिटल ट्रेनिंग, स्टार्टअप प्रोत्साहन और इंटर्नशिप आधारित

शिक्षा को प्राथमिकता देनी चाहिए. इसके साथ ही सरकार को रोजगार एमएसएमई कृषि-प्रसंस्करण पर निवेश बढ़ाना चाहिए.

यह बोले युवा...

आज बेरोजगार युवाओं की बढ़ती संख्या चिंता का विषय है. यदि सरकार द्वारा विभागों में रिक्त पदों को ही शीघ्र भर दिया जाए तो लाखों युवाओं को बेरोजगारी से तत्काल राहत मिल सकती है.

- गिरीश सदानी

उचित नीति और दिशा के अभाव में बेरोजगारी बोझ बनती जा रही है. सरकार को रोजगार केंद्रित नीतियों पर तेजी से काम करना होगा, तभी युवा शक्ति राष्ट्र निर्माण का आधार बन पाएगी.

- सुरेश कुमावत

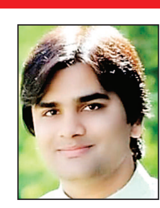

सबसे पहले शिक्षा पद्धति में बड़े सुधार की जरूरत है, ताकि युवा केवल डिग्री नहीं, बल्कि बाजार की मांग के अनुरूप कौशल लेकर निकलें. इससे भी बेरोजगारी में कुछ हद तक कमी लाई जा सकती है.

- ज़ुबैद आलम